न्यूज डायरी

पहली बार अंतरिक्ष में अकेले दस्तक देंगे आम नागरिक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। दुनिया में पहली बार आम नागिरकों को लेकर अंतरिक्ष यान पृथ्वी की कक्षा में लांच होने वाला है। पांच महीने के प्रशिक्षण के उपरांत आम लोग स्पेसएक्स के क्रू डैगन पर सवार होकर फाल्कन 9 राकेट से बुधवार को अंतरिक्ष के लिए रवाना होगा। यह मिशन अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के प्रक्षेपण केंद्र से लांच किया जाएगा। कंपनी की यह पूरी तरह से निजी मानव अंतरिक्ष उड़ान है। जेरेड इसाकमैन ने सीधे राकेट कंपनी से क्रू ड्रैगन कैप्सूल किराए पर लिया है। इस मिशन में कितना खर्च आया है, इसाकमैन ने इसका खुलासा नहीं किया है। हालांकि, उन्होंने इशारा करते हुए कहा कि इसमें कुल खर्च 200 मिलियन डालर से कम आया है। इसाकमैन ने तीन दिनों के लिए उड़ान भरने और जमीन से 355 मील ऊपर जाने का फैसला किया है।

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग का आक्रामक प्रदर्शन जारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने संयुक्त राष्ट्र के प्रस्ताव को दरकिनार कर हथियारों का प्रदर्शन फिर शुरू कर दिया है। दो दिन पहले परमाणु क्षमता वाली क्रूज मिसाइल का परीक्षण किए जाने के बाद अब उसने पूर्वी समुद्र में दो बैलिस्टिक मिसाइल दागी हैं। उत्तर कोरिया का दावा है कि ये और ज्यादा विकसित मिसाइलें हैं। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ आफ स्टाफ ने बताया कि बुधवार को दोपहर दो मिसाइल मध्य उत्तर कोरिया से दागी गई हैं। इन मिसाइलों ने समुद्र में गिरने से पहले 800 किमी. की दूरी तय की। इन परीक्षणों का अमेरिकी इंटेलीजेंस एजेंसियां विश्लेषण कर रही हैं। जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने बताया कि मिसाइल जापान के विशेष आर्थिक जोन के बाहर जापान और कोरिया प्रायद्वीप के बीच के समुद्री भाग में गिरी हैं। इन परीक्षणों से जापान और क्षेत्र की सुरक्षा को खतरा है। जापान सरकार किसी भी आकस्मिक परिस्थितियों के लिए मजबूती से तैयारी कर रही है।

अफगानिस्तान से वर्जिनिया आने वाले पांच शरणार्थी खसरा से पीड़ित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रिचमंड। अफगानिस्तान से वर्जीनिया पहुंचे पांच लोग खसरा या चेचक (उमेंसमे) से पीड़ित हैं। यह जानकारी स्वास्थ्य अधिकारियों ने मंगलवार को दी। चार दिन पहले ही अफगान शरणार्थियों की एक अमेरिकी उड़ान को रोक दिया गया क्योंकि उसमें खसरा के चार मामले थे। अमेरिका पहुंचे इन अफगान नागरिकों को क्वारंटाइन कर दिया गया। सभी की जांच की गई। वर्ष 2000 में ही अमेरिका ने देश को खसरा मुक्त घोषित कर दिया था। वर्जिनिया के स्वास्थ्य विभाग ने न्यूज रिलीज में बताया कि ये लोग अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद अमेरिका सरकार के निकासी अभियान का हिस्सा हैं। हालांकि इस बात की जानकारी नहीं दी गई कि जिन्हें खसरा या चेचक है उन्हें कहां रखा गया है लेकिन उन्होंने यह बताया कि ऐसे लोगों की तलाश की जा रही है जो पीड़ितों के संपर्क में आए थे।

बच्चों के साथ मौत की नींद सो गई मकड़ी, 10 करोड़ साल बाद भी नहीं छोड़ा साथ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) यांगून। एक मां और उसके बच्चों के बीच कुछ भी नहीं आ सकता। करीब 99 मिलियन यानी 9 करोड़ 99 लाख साल पहले भी ऐसा ही हुआ था जब एक मकड़ी अपने बच्चों की देखभाल कर रही थी। एक नई रिसर्च के अनुसार लगभग 99 मिलियन साल पहले एक वयस्क मादा मकड़ी और उसके अंडे पेड़ से टपकने वाली राल में जम गए थे। मकड़ियों का लैगोनोमेगोपिड परिवार अब गायब हो चुका है लेकिन इनका इतिहास काफी लंबा और पुराना है। पहली बार इन्हें करीब 359 से 299 मिलियन साल पहले कार्बोनिफेरस अवधि के दौरान देखा गया था। म्यांमार में मिले राल के टुकड़े कई कहानियां बताते हैं। जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द रॉयल सोसाइटी बीरू बायोलॉजिकल साइंसेज में मंगलवार को इस खोज के बारे में एक अध्ययन प्रकाशित हुआ।

अमेरिका में तेजी से जड़ें जमा रहा पाकिस्तान समर्थित खालिस्तान

रिपोर्ट

भारत के लिए बड़ा खतरा, अमेरिकी सरकार को देनी होगी प्राथमिकता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। अमेरिका के एक शीर्ष थिंक टैंक ने कहा है कि पाकिस्तान समर्थित अलगाववादी खालिस्तानी समूह अमेरिका में धीरे–धीरे अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। उसने यह भी कहा कि अमेरिकी सरकार इन संगठनों की भारत विरोधी गतिविधियों को रोकने के लिए नई दिल्ली द्वारा की गई अपीलों के प्रति उदासीन रही है। 'हडसन इंस्टीट्यूट' ने मंगलवार को प्रकाशित अपनी रिपोर्ट 'पाकिस्तान का अस्थिरता का षड्यंत्र :अमेरिका में खालिस्तान की सक्रियता' में पाकिस्तान द्वारा इन संगठनों को दिए जा रहे समर्थन की जांच करने के लिए श्अमेरिका के भीतर खालिस्तान और कश्मीर अलगाववादी समूहों के आचरण को आंका है।

नए नामों के साथ सामने आ सकते हैं खालिस्तानी गुटः रिपोर्ट में इन समूहों के भारत में उग्रवादी और आतंकवादी संगठनों के साथ संबंधों और दक्षिण एशिया में अमेरिकी विदेश नीति पर उनकी गतिविधियों के संभावित हानिकारक प्रभावों पर गौर किया गया है। रिपोर्ट दर्शाती है कि पाकिस्तान स्थित इस्लामी आतंकवादी संगठनों की तरह, खालिस्तानी संगठन नए नामों के साथ सामने आ सकते हैं। इसमें कहा गया, दुर्भाग्य से, अमेरिकी सरकार ने खालिस्तानियों द्वारा की गई हिंसा में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई है, जबकि खालिस्तान अभियान के सबसे कट्टर समर्थक ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका जैसे पश्चिमी देशों में हैं।

रिपोर्ट में कहा गया, जब तक अमेरिकी सरकार खालिस्तान से संबंधित उग्रवाद और आतंकवाद की निगरानी को प्राथमिकता नहीं देती, तब तक उन समूहों की पहचान होने की संभावना नहीं है जो वर्तमान में भारत में पंजाब में हिंसा में लिप्त हैं या ऐसा करने की तैयारी कर रहे हैं। हडसन इंस्टीट्यूट का कहना है कि पूर्वानुमान राष्ट्रीय सुरक्षा योजना का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है, और इसलिए, उत्तरी अमेरिका में स्थित खालिस्तानी संगठनों की गतिविधियों की कानून द्वारा निर्धारित सीमाओं के भीतर जांच करना 1980 के दशक में खालिस्तान आंदोलन के दौरान हुई हिंसा फिर से न होने देने के लिए महत्वपूर्ण है।

सक्रिय हो रहीं भारत विरोधी गतिविधियांः रिपोर्ट में कहा गया कि महत्त्वपूर्ण यह भी है कि अमेरिका के भीतर खालिस्तान से संबंधित भारत विरोधी सक्रियता हाल में बढ़ी है और वह भी तब जब अमेरिका और भारत चीन के बढ़ते प्रभाव खासकर हिंद–प्रशांत में, उसका सामना करने के लिए सहयोग कर रहे हैं। रिपोर्ट अमेरिकी सरकार से भारत की चिंताओं को गंभीरता से लेने का आह्वान करती है और भारत को इन चिंताओं को दूर करने में मदद करने के लिए आवश्यक खुफिया और कानून प्रवर्तन संसाधनों को उपलब्ध कराने का आग्रह करती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी सरकार को भारत में आतंकवादी हमलों के लिए जिम्मेदार सभी संगठनों को वैश्विक आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल करना चाहिए।

ताइवान ने सड़क पर उतारे एफ–16, मिराज फाइटर जेट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ताइपे। दक्षिण चीन सागर में चीन और ताइवान के बीच तनाव बेहद गहराता ही जा रहा है। चीन की ओर से लगातार परमाणु बॉम्बर भेजे जाने और युद्धाभ्यास के बीच ताइवान ने भी ड्रैगन को करारा जवाब देने का अभ्यास किया है। ताइवान की सेना ने बुधवार सुबह एक युद्धाभ्यास में अमेरिका निर्मित घातक एफ–16 और फ्रांस निर्मित मिराज 2000–5 विमानों को सड़क पर उतारकर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया है।

ताइवान ने चीन से बढ़ते खतरे को देखते हुए बुधवार सुबह सैन्य अभ्यास किया और चार लड़ाकू विमान जिआदोंग में उतारे। बताया जा रहा है कि एफ–16 विमान उड़ान भरने के बाद दक्षिण पश्चिमी ताइवान में एक राजमार्ग पर कुछ देर के लिए उतरा और इसके बाद उसने फिर से उड़ान भरी।

ताइवान के स्वदेशी 'डिफेंसिफ फाइटर', अमेरिका निर्मित एफ–16वी और फ्रांस निर्मित मिराज 2000–5 समेत चार सैन्य विमान बुधवार तड़के यह अभ्यास करने के लिए जिआदोंग में उतरे। यह अभ्यास इसलिए था कि यदि शत्रु बल उनके एयरबेस को नष्ट देते हैं, तो वे क्या करेंगे। ताइवान ने पांच दिवसीय हान गुआंग सैन्य अभ्यास किया है, ताकि वह चीन के किसी भी हमले के लिए द्वीप के बलों को तैयार कर सके।

मंगल ग्रह पर होगा आपके खून–पसीन से बना घर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। एलन मस्क समेत कइयों का सपना मंगल पर इंसानों को बसाने का है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि मंगल पर इंसान कहां रहेंगे और उन घरों को कैसे बनाया जाएगा। लाल ग्रह पर घरों का निर्माण अब आसान हो सकता है क्योंकि वैज्ञानिकों ने एक अद्भुत तकनीक की मदद से कंक्रीट जैसी सामग्री तैयार कर ली है जो अंतरिक्ष की चरम परिस्थितियों को भी झेल सकती है। यह खोज खासतौर पर अंतरिक्ष यात्रियों के लिए खुशखबरी है जिन्होंने अंतरिक्ष पर जीवन की खोज और रिसर्च में कई साल खर्च कर दिए क्योंकि इस कंक्रीट का निर्माण उनके खून–पसीने से ही किया जा सकता है।

सैटलाइट्स में तेल भर देगा अंतरिक्ष में बना पहला पेट्रोल पंप, प्रोटोटाइप को मिली सफलता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वॉशिंगटन। दुनिया के 4 हजार से ज्यादा उपग्रहों का घर बन चुका धरती का परिक्रमा पथ अब पेट्रोल पंप से भी लैस हो गया है। अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को स्थित एक स्टार्टअप आर्बिट फैब ने जून में पृथ्वी की कक्षा में ईंधन भरने के स्टेशन का एक प्रोटोटाइप लॉन्च किया था। यह पेट्रोल स्टेशन अब अच्छे से काम कर रहा है। इस सफलता से अब पुराने पड़ चुके उपग्रहों को नया जीवनदान मिलने की उम्मीद है। वह भी तब जब धरती की निचली कक्षा में अभी इस दशक के अंत तक उपग्रहों की संख्या के 1 लाख के आंकड़े को भी

धरती का परिक्रमा पथ अब पेट्रोल पंप से भी लैस हो गया है

पार करने की उम्मीद है। यही नहीं इसकी मदद से अब अंतरिक्ष में और दूर तक अंतरिक्षयात्रियों के सफर करने का रास्ता खुल सकता है। अंतरिक्ष में पेट्रोल पंप को बनाने वाली कंपनी ऑर्बिट फैब को इस शानदार सफलता के बाद एक करोड़ डॉलर की फंडिंग भी हाथ लगी है।

अंतरिक्ष में पेट्रोल पंप का विचार इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि धरती का परिक्रमा पथ अब हजारों सैटलाइट और उसके कचड़े से भरता जा रहा है। इससे उनके आपस में टक्कर का खतरा बढ़ता जा रहा है। ऑर्बिट फैब कंपनी का टैंकर Tenzing Tanker&001 एक शुरुआती सैटलाइट ईंधन टैंकर का प्रोटोटाइप है। इसे एलन मस्क के रॉकेट से 30 जून को लॉन्च किया गया था।

तेनजिंग टैंकर के प्रोटोटाइप को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि उससे सैटलाइट जुड़ सकें और वह अपना रास्ता खुद बदल सके। यह माइक्रोवेब के आकार की मशीन अभी सूरज के समकालिक परिक्रमा पथ पर है। इसी परिक्रमा पथ में ज्यादातर मौसम और तस्वीरें लेने वाले सैटलाइट मौजूद हैं और धरती के चक्कर लगा रहे हैं। ऑर्बिट फैब के सीईओ डेनिअल फेबेर ने कहा कि हम दुनिया पहला संचालन योग्य सैटलाइट ईंधन डिपो बना रहे हैं।

कब तक खत्म होगी कोरोना वायरस महामारी?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नॉर्विच (ब्रिटेन)। कोरोना वायरस से बचाव के लिए मास्क पहनने, सामाजिक दूरी और लॉकडाउन लगने–हटने के साथ ही कोविड–19 वैश्विक महामारी के करीब 18 महीने बीत गए हैं। इतना सब हो जाने के बाद, हर कोई यह जानने को बेताब है कि आखिर यह महामारी कब और कैसे खत्म होगी। इस बारे में कुछ भी पक्के तौर पर कहना मुमकिन नहीं है, लेकिन हमारे पास कुछ हद तक वास्तविक लगने वाली उम्मीदों को जगाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं कि यह महामारी आगे आने वाले समय में किस तरह से बढ़ेगी। कोविड–19 पहली बार नहीं है जब कोई कोरोना वायरस एक भयानक वैश्विक महामारी का कारण बना हो। यह अनुमान लगाया गया है कि श्रूसी फ्लूश, जो 1889 में सामने आया था, वास्तव में इन्फ्लूएंजा नहीं था, बल्कि एक अन्य कोरोना वायरस, ओसी43 के कारण हुआ था। रूसी फ्लू वैश्विक महामारी पांच वर्षों तक करीब चार या पांच लहरों के साथ आती रही जिसके बाद यह गायब हो गई। इंग्लैंड और वेल्स में 1890 से लेकर 1891 तक इसके कारण सबसे ज्यादा मौतें हुईं।